जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 299 प्रभात अजमेर, शनिवार 31 मई, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मोदी अपने मंत्रिमण्डल में फेरबदल शीघ्र ही करेंगे?

''ड्रीम टीम'' बनाने का प्रयास है, कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनावों के पहले

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। जैसे-जैसे राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक तापमान बढ़ रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। सत्ता के गलियारों से जुडे सूत्रों का कहना है कि देश जल्द ही एक ''ड्रीम टीम'' को देख सकता है, जिसमें कुछ नए चेहरे केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रमुख भूमिकाएं निभा सकते हैं।

इन घटनाक्रमों के बीच, राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि केरल से कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर को विदेश मंत्री जैसे हाई-प्रोफाइल पद की पेशकश की जा सकती है। यह नामांकन कथित तौर पर टेबल पर शुरु हो गया है, हालांकि इसका विवरण सामने नहीं आया हैं। लेकिन इन अटकलों ने पहले से ही आंतरिक संघर्ष और नीति-संबंधी पहचान के संकट से जूझ रही कांग्रेस पार्टी में हलचल मचा दी है।

- चर्चाओं के अनुसार, अपनी पार्टी में अनदेखी से क्षुब्ध कई कांग्रेस के नेताओं को भी मोदी अपनी टीम में लेना चाहते हैं।
- ''ड्रीम टीम'' में शशि थरूर को भी विदेश मंत्री का पद ऑफर हो सकता है। कांग्रेस में काफी बेचैनी है, इस ''ऑफर'' की संभावना से।
- सलमान खुर्शीद व मनीष तिवाड़ी भी उन नेताओं के नामों की सूची में काफी ऊपर हैं, जो पार्टी के मत से भिन्न अपना मत रखते हैं। क्या मोदी इन नेताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से करीब-करीब भाजपा की नीति का समर्थन व्यक्त करने, का भी राजनीति लाभ उठायेंगे।
- उदाहरण के लिए, मनीष तिवाड़ी का नाम कांग्रेस ने अपनी सूची में नहीं रखा था, पर, मोदी ने उन्हें भी भारत के ''ऑपरेशन सिंदूर'' को समझाने के लिए, विदेशों में भेजे गए प्रतिनिधि मंडल में शामिल किया है, और, चर्चाओं के अनुसार, मनीष तिवाड़ी ने ऑफर स्वीकार करने के बारे में अपनी स्वीकृति भी दे दी है।
- सलमान खुर्शीद ने भी हाल ही में इंडोनेशिया यात्रा के दौरान आर्टिकल 370 को रद्द करने के निर्णय को सही बताया, तथा कश्मीर के विधान सभा चुनाव में 65 प्रतिशत वोट पड़ने को सराहनीय बात बतायी। उनकी इस टिप्पणियों से भी कांग्रेस क्षुब्ध है, तथा भाजपा प्रसन्न।

थरूर द्वारा हाल ही में विवादास्पद ''ऑपरेशन सिंदूर'' का सार्वजनिक समर्थन किया, जो कि एक सांस्कृतिक संपर्क अभियान है और जिसे कांग्रेस नेता बिहार चुनावों से पहले भाजपा की सांप्रदायिक वोट-बैंक रणनीति के हिस्से के रूप में देखते हैं। थरुर के बयान ने पार्टी के भीतर दरार को और गहरा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

समरावता उपद्रव प्रकरण में नरेश मीणा को जमानत नहीं

जयपुर, 30 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के दौरान एसडीएम को थप्पड़ मारने के बाद समरावता में हुए उपद्रव प्रकरण में आरोपी नरेश मीणा को जमानत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस प्रवीर

- देवली-उनियारा विधानसभा उपचनाव के दौरान व बाद में हुए उपद्रव में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा पर कई मामले दर्ज हुए थे। तथापि, एस. डी. एम. को थप्पड़ मारने के मामले में मीणा को राहत मिली है।

भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश नरेश मीणा की द्वितीय जमानत याचिका को खारिज करते हुए दिए। दूसरी ओर जस्टिस अनिल उपमन ने थप्पड़ कांड में मीणा को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

जस्टिस प्रवीर भटनागर ने जमानत याचिका को खारिज करते हुए कहा कि अदालत ने गत 14 फरवरी को याचिकाकर्ता को जमानत देने से इनकार कर दिया था। उसके बाद केस की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने शशि थरूर के नाम पर अपनी मोहर न लगाकर गल्ती करी?

शशि थरूर के भारत के ऑपरेशन ''सिंदूर'' के बारे में वाशिंगटन में दिए गए प्रस्तुतिकरण को काफी प्रभावशाली माना गया। पर, कांग्रेस को उसका ''क्रैडिट'' नहीं मिला।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर को, अमेरिका और अन्य देशों में ऑपरेशन सिंदूर की व्याख्या करने के लिए बनाए गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेता बनाए जाने के मुद्दे पर कांग्रेस खुद असमंजस में फंस गई है।

शशि थरूर को पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की अधिकारिक और प्रभावशाली व्याख्या के लिए सर्वत्र प्रशंसा मिली है, वहीं, तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने ''राष्ट्रवाद'' और भाजपा के विरोध के बीच संतुलन साधते हुए बहुत चतुराई दिखाई है। खासकर अभिषेक, सर्वदलीय टीम का हिस्सा बनकर पाकिस्तान की तीव्र आलोचना करके सबकी नज़रों में आ गए हैं।

सरकार द्वारा अपने सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किए जाने का

- दूसरी ओर ममता बनर्जी ने प्रतिनिधि मंडल में टी. एम. सी. के यूसुफ पठान का नाम देने पर भारी आपत्ति की, और, सरकार को यूसुफ पठान के विकल्प के रूप में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव व ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी का नाम देना पड़ा।
- अभिषेक बनर्जी की यह ''टिप्पणी'' कि, ''आतंकवाद पागल कुत्ता है, तो पाकिस्तान उसकी जननी है, अतः, जननी को मारना ज्यादा जरूरी है, नहीं तो, नये पागल कुत्तों को जन्म देकर जननी इन्हें भारत भेजती ही रहेगी'', बहुत उल्लेखनीय व चर्चित रही।
- अभिषेक बनर्जी, अपनी इस संदर्भ में हुई जापान यात्रा के दौरान रास बिहारी बोस के स्मारक पर भी गये, और स्मारक की टूटी फूटी हालत की ओर भारत के राजदूत का ध्यान आकर्षित किया और जापान सरकार की निगाह में भी लाने का आग्रह किया'

विरोध करने से कांग्रेस की स्थिति बड़ी हास्यास्पद हो गई। जबकि ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को तूल नहीं दिया।

उधर, ममता बनर्जी ने जब सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''हम पहलगाम की घटना के पहले की स्थिति में लगभग आ गये हैं''

पाकिस्तान के वरिष्ठतम सेना अधिकारी, जो पकिस्तान के, चेयरमैन ऑफ जॉइन्ट चीफ ऑफ स्टाफ भी हैं, ने अन्तर्राष्ट्रीय न्यूज़ एजेन्सी ''रॉयटर'' को दिये गये इन्टरव्यू में यह दावा दिया

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 मई। इस्लामाबाद ने दावा किया है कि दोनों ही पक्ष अपनी सीमा पर सेना के जमावड़े को कम करके उसी स्तर पर ले जाने के नजदीक हैं, जिस स्तर पर इस माह दोनों पड़ोसियों के बीच संघर्ष छिड़ने से पहले था। लेकिन भारत ने इस मुद्दे पर खामोश बने रहना बेहतर समझा है।

- जॉइन्ट चीफ ऑफ स्टाफ ने अपने इन्टरव्यू में यह भी कहा कि, 22 अप्रेल की स्थिति तक पहुंच ही गये हैं, और धीरे -धीरे दोनों सेनाएं अपने जवानों का पीछे हटाने का कार्यक्रम जारी करे हुए हैं और हम शीघ्र ही 22 अप्रेल के पहले की स्थिति में शीघ्र पहुंच जायेंगे।
- भारत ने जनरल शाहिर रायशाद मिर्जा के दावे को अभी चैलेन्ज नहीं किया और न ही प्रतिक्रिया व्यक्त की।

जनरल साहिर शमशाद मिर्ज़ा, जो पाकिस्तान जॉइन्ट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन हैं, ने कहा कि समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, दोनों पक्षों की सेनाओं ने सीमा पर सैनिकों की संख्या कम करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दोनों पक्षों ने पिछले दशकों की सबसे प्रचंड लड़ाई के उन चार दिनों में फाइटर जैट, मिसाइल, ड्रोन तथा आर्टिलरी को काम में लिया था और फिर चार दिन बाद, युद्धविराम की घोषणा हो गई थी।

परमाणु शक्ति संपन्न इन दोनों पुराने दुश्मनों के बीच हुई इस लड़ाई की शुरूआत 22 अप्रैल को कश्मीर में हुए उस आतंकी हमले से हुई, जिसमें 26 लोग मारे गये थे। इनमें ज्यादातर पर्यटक थे। नई दिल्ली ने इस घटना के लिए पाक-समर्थित ''आतंकियों'' को जिम्मेवार ठहराया था। इस्लामाबाद ने भारत के इस आरोप का खंडन किया था।

सात मई को, भारत ने सीमा पार के ''आतंकियों के ठिकानों'' पर मिसाइलें दागी थीं तथा पाकिस्तान ने जवाबी हमले किए थे। दोनों देशों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नीट पीजी परीक्षा एक ही पाली में कराएं'

नयी दिल्ली, 30 मई। उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 15 जून से होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-पीजी) 2025 दो की बजाय एक ही पाली में आयोजित कराने का शुक्रवार को निर्देश दिया।

- सुप्रीम कोर्ट ने नैशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशन को यह निर्देश दिया। साथ ही कहा कि इसके लिए आवश्यक प्रबंध हेतु वे परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने का आवेदन कर सकते हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ता अदिति और अन्य की याचिका पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस नीट पीजी को आयोजित करने वाली संस्था नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स के एक्सपैंशन को लेकर राजनीति काफी गरम है

आंध्र प्रदेश चाहता है, यह ''एक्सपैंशन'' अब कर्नाटक के बजाय आंध्र में हो, जबकि कर्नाटक की सभी पार्टियों की इस बारे में एक राय है, कि, 'एक्सपैंशन प्रोजेक्ट' कर्नाटक के बाहर जाने का मतलब नहीं है।

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। आंध्र प्रदेश, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के विस्तार कार्यक्रम को अपने राज्य में स्थानांतरित कराने की बडी कोशिश कर रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कम्पनी दशकों पहले पड़ोसी राज्य कर्नाटक में स्थापित की गई थी। बीते छह महीनों से यह परियोजना काफी चर्चा में रही है, क्योंकि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू इस परियोजना के कुछ हिस्सों को आंध्र में स्थापित करना चाहते हैं। वह विमानन क्षेत्र को एक प्रमुख उद्योग और रोजगार सृजन के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में देखते हैं।

स्वाभाविक रूप से इस प्रस्ताव ने कर्नाटक में भी भारी राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है, जहां सभी राजनीतिक दल इस संस्था को पूरी तरह राज्य में बनाए रखने के पक्ष में हैं और किसी भी हिस्से को किसी अन्य राज्य को देने के सख्त खिलाफ हैं। कर्नाटक में सत्तारुढ़ पार्टी होने के कारण, कांग्रेस इस पर काफी चिंतित है, उसे लगता है कि केन्द्र सरकार राजनीतिक मजबूरियों के चलते आंध्र प्रदेश को प्राथमिकता दे सकती है, क्योंकि तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) केन्द्र में उसकी एक अहम सहयोगी है।

- पर, कर्नाटक को भय है, कि वह लड़ाई हारेगा, क्योंकि, मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू के समर्थन पर ही केन्द्रीय सरकार टिकी हुई है, अतः कोई आश्चर्य की बात नहीं कि केन्द्रीय सरकार, 'एक्सपैंशन प्रोजेक्ट' को आंध्र शिफ्ट कर दे।

समझा जाता है कि हाल ही में चंद्रबाबू नायडू और नीति आयोग की बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था। सार्वजनिक क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी के कुछ कार्यों को आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित करने का उनका अनुरोध कर्नाटक में चिंता का कारण बन गया है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के इस अनुरोध का तीव्र विरोध किया और इस तरह के आइडिया मात्र की भी आलोचना की।

और केवल उपमुख्यमंत्री ही नहीं, बल्कि उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल सहित कई वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों ने भी इस अनुरोध की कडी निंदा की।

डी.के. शिवकुमार ने कहा, बेंगलुरु एचएएल का मुख्यालय है और यह राज्य का औद्योगिक गौरव है और इसे स्थानांतरित करने की मांग संघीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। उद्योग मंत्री पाटिल ने भी इस विचार और अनुरोध का सख्त विरोध किया।

शिवकुमार ने घोषणा की कि कर्नाटक किसी भी ऐसी सुविधा को स्थानांतरित नहीं होने देगा, जो राज्य में चल रही है। उन्होंने कहा, एक सरकार के रूप में हम किसी भी चीज़ को स्थानांतरित नहीं होने देंगे।

शिवकुमार ने बताया कि कर्नाटक पहले ही एचएएल के विस्तार, विशेष रूप से टुंकुरु में इसके हेलीकॉप्टर डिवीजन के लिए ज़मीन दे चुका है। उन्होंने एचएएल के साथ राज्य के गहरे संबंधों पर जोर देते हुए कहा, जहां तक कर्नाटक की बात है, यह हमारा गौरव है। हमारे पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू जी ने यह हमें दिया, यह हमारा आधार है। बीदर भी, बेंगलुरु के अलावा, एक और बेस है। कर्नाटक में केवल बेंगलुरु में ही एचएएल के दो हवाई अड्डे हैं - एक येलहंका में और एक एचएएल परिसर में।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वर्ष 2026 के अंत तक पूरा बन जाएगा भव्य राम मंदिर'

अयोध्या, 30 मई। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने उम्मीद जाहिर की कि अगले वर्ष तक अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण पूरा हो जायेगा।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर प्रेस क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में राय ने शुक्रवार को कहा कि तीन से पांच जून के बीच राम मंदिर में राम दरबार समेत सभी आठ मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी

- श्री रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने यह उम्मीद जताई और बताया कि 3 से 5 जून के बीच राम मंदिर में राम दरबार सहित 8 मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''सिंदूर'' शब्द पर ममता बनर्जी की टिप्पणी काफी हल्की लगी जनता को

ममता बनर्जी ने कहा, ''क्या मोदी सभी भारतीय स्त्रियों के पति हैं। मोदी पहले अपनी पत्नी की मांग में तो सिंदूर लगायें''

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार में जनसभा को संबोधित करने के साथ, 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार की शुरुआत की। उत्तर बंगाल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गढ़ माना जाता है और गत कुछ चुनावों में इस क्षेत्र की अधिकांश सीटें भाजपा ने जीती थीं।

इस कदम को भांपते हुए राज्य की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखी बयानबाजी की। हालांकि, उनके बयान का स्तर गिर गया, उन्होंने न केवल अभद्र भाषा का प्रयोग किया, बल्कि प्र.मंत्री पर व्यक्तिगत हमला भी किया। भाजपा ने ममता बनर्जी के इस व्यवहार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने शिष्टता की सारी सीमाएं पार कर दी हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें पाकिस्तान के आतंकी अड्डों पर भारत ने विनाशकारी कार्रवाई की, जिसमें कई बडे सैन्य ठिकाने भी तबाह कर दिए गए। अपनी बात पर और जोर देते हुए उन्होंने कहा कि वे सिंदूर खेला की भूमि पर आए हैं और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकियों का सफाया किया।

सिंदूर खेला बंगाल की परंपरा है, जिसमें महिलाएं विजयादशमी के दिन एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर दुर्गा पूजा के उत्सव का समापन करती हैं। यह टिप्पणी स्थानीय भावनाओं को संबोधित करने के उद्देश्य से की गई थी।

यह देखकर कि प्रधानमंत्री का बयान स्थानीय लोगों को अच्छा लग सकता है, ममता बनर्जी ने इस पर तीखा पलटवार किया और प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया कि वह सिंदूर को राजनीतिक हथियार बना रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री सभी के पति नहीं हैं। उन्हें दूसरों को सिंदूर की बात करने के बजाय पहले अपनी पत्नी को सिंदूर लगाना चाहिए।

- ममता बनर्जी का यह तीखा व्यंग उस समय शुरू हुआ, जब, मोदी ने बंगाल में पार्टी का चुनाव अभियान शुरू करते हुए, अलीपुर अतिद्वार में आम सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, आज उस स्थान से अपनी पार्टी का चुनाव अभियान की शुरूआत कर रहे हैं, जहां विजयदशमी को महिलाएं ''सिंदूर खेला'' करती हैं, एक दूसरे के सिंदूर लगाकर।
- ममता बनर्जी अपनी फूहड़ भाषा के लिए तो जानी जाती हैं, पर, इस बार मोदी के भाषण के बाद उनकी प्रतिक्रिया तुरंत व बेहद विषैली आयी, क्योंकि उन्हें लगा कि मोदी पर टिप्पणी का, जनता पर, अच्छा प्रभाव पड़ेगा।
- पर, यह भी सच है कि, जब तक ममता बनर्जी सरकार में हैं, और पुलिस व कानून-व्यवस्था विभाग उनके पास हैं, उन्हें हराना बहुत ही मुश्किल है, क्योंकि वो ही लोग वोट कर पाते हुए दिखेंगे जो तृणमूल के समर्थक हैं।

ममता बनर्जी अपने उद्दण्ड आचरण और असभ्य भाषा के लिए जानी जाती हैं, इसलिए उनके द्वारा ऐसी भाषा का इस्तेमाल आश्चर्य की बात नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री के निजी जीवन पर उनकी टिप्पणी को अभद्रता का चरम माना गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और कई अन्य नेताओं ने ममता बनर्जी के इस बयान की कडी आलोचना की। हालांकि बंगाल में ममता बनर्जी के कथित लापता पति को लेकर भी कई किस्से प्रचलित हैं, जिन्हें लेकर अक्सर चर्चाएं होती रहती हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में बंगाल की विभिन्न समस्याओं को भी उजागर किया, जिनमें युवाओं के लिए रोजगार का अभाव प्रमुख था। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है। मुर्शिदाबाद और माल्दा में हाल ही में हुए सांप्रदायिक दंगों से यह बात एकदम स्पष्ट हो जाती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहलगाम आतंकी हमले के शहीद शुभम के परिजनों से मिले प्र.मंत्री

कानपुर, 30 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की।

- प्र.मंत्री मोदी ने कानपुर के चकेरी हवाई अड्डे पर शुभम के माता-पिता व पत्नी से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया।

कानपुर को विकास परियोजनाओं की सौगात देने पहुंचे मोदी ने एयरपोर्ट पर ही शुभम की पत्नी ऐशन्या, मां सीमा और पिता संजय द्विवेदी से करीब आठ मिनट तक बातचीत की।

शुभम के चाचा मनोज द्विवेदी ने बताया कि मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री भावुक हो गए। इस दौरान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK